पायलट ने नीरज उधवानी के घर जाकर श्रद्धांजलि दी

जयपुर निवासी उधवानी की पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादी हमले में मृत्यु हुई थी

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले जयपुर निवासी नीरज उधवानी के निवास पर उनको श्रद्धांजलि दी एवं परिजनों को ढ ांढ स बंधाया।

- **कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि भारत सरकार को पूरी ताकत के साथ आतंकवादी हमले का जवाब देना चाहिये। पूरा विपक्ष और पूरा देश सरकार के साथ है।**

जयपुर, 27 अप्रैल। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले जयपुर निवासी नीरज उधवानी के निवास पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की एवं परिजनों को ढ ांढ स बंधाया। मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि पहलगाम में जो घटना हुई है वो कोई सामान्य घटना नहीं है। इसका मुंहतोड़ जवाब देना ही पड़ेगा। यह कोई आम आतंकी घटना नहीं है। जिस तरह से इसको अंजाम दिया गया है वो मंसूबे बिल्कुल स्पष्ट हैं। इस मसले को आगे कैसे ले जाना है और इसपर क्या कारवाई करनी है यह मुद्दा हम लोगों ने, कांग्रेस पार्टी ने वर्किंग कमेटी में रखा था। भारत सरकार को अपनी पूरी ताकत के साथ जवाब देना पड़ेगा। पूरे देश में इसपर एक राय है।

उन्होंने कहा, पक्ष विपक्ष हमारे देश के लिए है, आक्रमण बाहर से हो रहा है और हमारे अस्तित्व को चुनौती दी जा रही है, आतंकियों के जरिए तो उनको तो उसी जबान में जवाब देना चाहिए। जब पहले इस प्रकार भारत की संसद पर आक्रमण किया गया था उस समय वाजपेई जी प्रधानमंत्री थे और सोनिया गांधी जी नेता प्रतिपक्ष थीं। उन्होंने सदन में खड़े होकर कहा था, हम पूरा विपक्ष, पूरा देश सरकार के साथ है, पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए। वो ही हम लोगों ने दुबारा दोहराया है । एक बार दुबारा वो चुनौती सामने आई है। लेकिन कैसे क्या कब करना है, यह सरकार बेहतर समझती होगी। लेकिन हम मानते हैं कि पूरे देश में आज एक आम भावना है कि पाकिस्तान ने हमेशा आतंकवादी गतिविधियों से जो घाव देश को दिए हैं उसका समापन करना पड़ेगा। पायलट ने कहा, इस दु:ख की घड़ी में पूरा देश उन परिवारों के साथ खड़ा है, जिन्होंने अपने लोगों को खोया है। जिल लोगों ने कोशिश की है कि देश में दरार पड़े, मजहब के नाम पर, और यही उनके मंसूबे हैं, हमें उनको मुंहतोड़ जबाव देना पड़ेगा। इस संकल्प के लिए पूरा देश, सभी राजनैतिक पार्टी, हर व्यक्ति एकजुट है। जिन्होंने अपने खोए हैं वो वापिस तो नहीं आ सकते हैं, लेकिन, इतना हम कर सकते हैं कि भविष्य में इस प्रकार की घटना करने का कोई साहस नहीं करे।

देश की एकता दिखाने के लिये संसद का विशेष सत्र बुलायें

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। निर्दलीय राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार को राजनीतिक दलों से विशेष आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दल पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर मई में जल्द से जल्द संसद का विशेष सत्र बुलाने का सरकार से आग्रह करें। सिब्बल ने कहा, 25 अप्रैल को मैंने सुझाव दिया था कि इस दुख की घड़ी में देश की एकता दिखाने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। मैं सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करता हूं कि वे सरकार से मई में जल्द से जल्द ऐसा सत्र बुलाने का आग्रह करें।

इससे पहले कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद का विशेष सत्र बुलाने और पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया था, ताकि दुनिया को यह संदेश दिया जा सके कि देश एकजुट है। सिब्बल ने सरकार को विभिन्न महत्वपूर्ण देशों में सत्तारूढ़ और विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल भेजने का भी सुझाव दिया था, ताकि पाकिस्तान पर कूटनीतिक दबाव बनाया जा सके।

हाई कोर्ट ने जनहित याचिका खारिज कर डेढ़ लाख रू. का हर्जाना लगाया

बिजली विभाग के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता ने जनहित याचिका में उत्पादन निगम व एनटीपीसी के संयुक्त उद्यम को रद्द करने की माँग की थी

- **अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने केवल अपनी कल्पना के आधार पर यह दावा किया है कि इस तरह की व्यवस्था से उत्पादन लागत बढ़ सकती है।**

जयपुर, 27 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने बिजली विभाग के एक सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता पर 1.50 लाख रुपए का जुर्माना लगाते हुए उसकी जनहित याचिका को खारिज कर दिया। जनहित याचिका में मु. अभियंता ने राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड और नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के संयुक्त उद्यम को रद्द करने की मांग की थी।

राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश अजय चतुर्वेदी की जनहित याचिका पर दिए। अदालत ने इस याचिका को स्वार्थ प्रेरित और कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया। याचिकाकर्ता का तर्क था कि बिजली उत्पादन के क्षेत्र में उनके अनुभव के आधार पर यह संयुक्त उद्यम भविष्य में बिजली की महंगी दरों की ओर ले जाएगा, जो जनहित के खिलाफ है।

सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने देखा कि यह संयुक्त उद्यम छबड़ा थर्मल पावर प्लांट के आसपास कई परियोजनाओं को लागू करने के उद्देश्य से किया गया, जिससे अतिरिक्त उत्पादन इकाइयाँ स्थापित की जा सकें और उत्पादन लागत घटे। अदालत ने कहा कि मामले में सिर्फ इस आधार पर हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता कि याचिकाकर्ता बिजली विभाग में अभियंता रहे हैं। याचिकाकर्ता ने केवल अपनी कल्पना के आधार पर यह दावा किया है कि इस तरह की व्यवस्था से उत्पादन लागत बढ़ सकती है। दर निर्धारण कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनकी जांच इस न्यायालय द्वारा नहीं की जा सकती। अदालत ने यह भी कहा कि यह जनहित याचिका कुछ कर्मचारी संघों के हित को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रेरित लगती है, जो इस संयुक्त उद्यम का विरोध कर रहे हैं, जैसा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध अभ्यावेदनों से स्पष्ट है। न्यायालय ने कहा कि यह जनहित याचिका न्यायालय के समय और संसाधनों की बर्बादी है और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इसलिए इसे हर्जाने के साथ खारिज किया जाना चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने जनहित याचिका खारिज कर याचिकाकर्ता पर 1.50 लाख रुपये का हर्जाना लगाया है।

मोटर साइकिल को बचाने में वैन कुएं में गिरी, 10 की मौत

वैन व मोटर साइकिल टकराकर खेत में बने बिना मुंडेर के कुएं में जा गिरीं

- **वैन में सवार 10 लोग नीमच जिले में माता मंदिर दर्शन के लिये जा रहे थे, जब यह हादसा हुआ।**
- **वैन में बैठे लोगों में से 8, मोटर साइकिल चालक तथा रेस्क्यू करने के लिये कुएं में उतरे एक व्यक्ति की मौत हो गई।**

मंदसौर, 27 अप्रैल। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र में आज दोपहर को एक वैन मोटर साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में उससे टकराकर सड़क किनारे खेत में बने एक बिना मुंडेर के कुएं में गिर गयी, जिससे मोटर साइकिल सवार सहित दस लोगों की मौत हो गयी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार वैन सवार, लगभग दस लोग नीमच जिले में स्थित माता मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे। तभी नारायणगढ़ थाना क्षेत्र के काचरिया चौपाटी के समीप सामने से आ रहे मोटर साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में वैन उससे टकरा गयी और इसके बाद अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में बने एक बिना मुंडेर के कुएं में गिर गयी। दुर्घटना में वैन सवार आठ लोगों के अलावा मोटर साइकिल सवार एक व्यक्ति तथा रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कुएं में गए एक व्यक्ति सहित कुल दस लोगों की मौत हो गयी।

दुर्घटना में चार लोग घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल लाया गया है। घटना के बाद जिला एवं पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। मृतकों में दो लोग मंदसौर के निवासी हैं, जबकि वैन सवार सभी मृतक रतलाम के रहने वाले बताएं गए हैं।

दुर्घटना में चार लोग घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल लाया गया है। घटना के बाद जिला एवं पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा पूरे समय मौके पर ही रहे। इनके अलावा कलेक्टर अदिति गर्ग, एसपी, एडिशनल एसपी, एसडीओपी आदि भी मौके पर मौजूद थे।

डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने बताया कि इस हादसे में कुल 13 लोग शामिल थे, जिनमें दो बच्चे भी थे। पहले बच्चों को निकालकर अस्पताल भेजा गया। गाड़ी बड़ी मुश्किल से बाहर लाई गई है। कुएं में जहरीली गैस के कारण, बचाने गए मनोहर सिंह की भी मौत हुई है। उन्होंने 2-3 लोगों को बाहर निकाला था। मुझे जैसे ही घटना के बारे में पता चला, मैं सीधा यहीं आ गया। जिले के सारे अधिकारी भी यहीं हैं।

'युद्ध की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निंदनीय और बचकाना है। उन्हें वास्तविकता को समझना चाहिए और ऐसे समय में ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए, जब पूरा देश एकजुट खड़ा है। यह मुख्यमंत्री के तौर पर उनके पद के लिए ठीक नहीं है। मैं इसकी निंदा करता हूं। उन्हें देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए और अपने तौर-तरीके सुधारने चाहिए।

'मैं नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेना की हालत खराब है। मुजफ्फराबाद में पाकिस्तानी सेना का बड़ा मूवमेंट देखा गया है। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक लोअर नीलम वैली राजमार्ग पर सामान्य दिनों के मुकाबले ट्रकों की गतिविधि कई गुना बढ़ी हुई है। भारतीय सेना की नजर से बचने के लिए ज्यादातर गतिविधियाँ सिविल ट्रकों में हो रही है।

एनआईए ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को घटते देखा था। एनआईए की टीमें आतंकवादियों की कार्यप्रणाली के सुराग के लिए प्रवेश और निकास बिंदुओं की बारीकी से जांच कर रही हैं। सबूत जुटाने के लिए फॉरेंसिक और अन्य विशेषज्ञों की मदद से टीमें पूरे इलाके की गहन जांच कर रही हैं।

भारतीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारतीय नौसेना ने एक्स पर लिखा, "भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस सूरत ने समुद्र में लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया, जो हमारी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक और मील का पत्थर है।"

पाकिस्तान ने तीसरी रात भी सीमा पर गोलीबारी की

भारतीय सेना ने गोलीबारी का प्रभावी जवाब दिया, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है

- **सेना के सूत्रों के अनुसार, 26 व 27 अप्रेल की रात को कश्मीर के नौगाम सैक्टर तथा बोनियार उरी सैक्टर पर पाक सेना ने दो घंटे छोटे हथियारों से गोलीबारी की।**
- **पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद, भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के दौरान पाक सेना ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया।**

श्रीनगर, 27 अप्रैल। पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी कर संघर्षविराम का उल्लंघन किया है।

सेना के सूत्रों ने रविवार को बताया कि लगातार तीसरी रात गोलीबारी की गई है।

उन्होंने बताया कि कुपवाड़ा जिले के नौगाम सेक्टर और बारामूला जिले के बोनियार सेक्टर से गोलीबारी की खबर है। सेना ने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया।

सेना के सूत्रों ने कहा, 26 से 27 अप्रैल 2025 की रात को पाकिस्तान सेना की चौकियों ने तुतमारी गली (नौगाम सेक्टर) और रामपुर (बोनियार उरी) सेक्टरों के सामने के इलाकों में नियंत्रण रेखा के पार बिना उकसावे के गोलीबारी की और हमारे जवानों ने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया।

सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि नौगाम सेक्टर में करीब दो घंटे तक भीषण गोलीबारी हुई। गोलीबारी रात करीब एक बजे शुरू हुई। इस दौरान किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

यह लगातार तीसरी रात है जब पाकिस्तानी सेना ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया और नियंत्रण रेखा के कई स्थानों पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की।

गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ ते तनाव में नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी हुई है। इस हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय निवासी की जान चली गई थी।

आखिर सेंथिलबालाजी व पोनमुडी को मंत्री पद से हटाया

चेन्नई, 27 अप्रैल। अदालतों की नाराजगी के बाद, जैसा कि व्यापक रूप से उम्मीद की जा रही थी, तमिलनाडु के वरिष्ठ मंत्री वी सेंथिलबालाजी और के पोनमुडी को रविवार रात राज्य मंत्रिमंडल से हटा दिया गया।

राजभवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की सिफारिशों पर राज्यपाल आर एन रवि ने इसे स्वीकार कर लिया।

सेंथिलबालाजी, जिन्हें पिछले वर्ष सितम्बर में विद्युत, निषेध और आबकारी विभागों के साथ मंत्रिमंडल में पुन: शामिल किया गया था, को "नौकरी के लिए नकदी" घोटाले में पीएमएलए के तहत गिरफ्तार करने के बाद मंत्री पद या जमानत पर निर्णय लेने के लिए सोमवार (कल) तक का अल्टीमेटम दिया गया था।

वहीं, पोनमुडी, हिंदू धर्म से जुड़ी महिलाओं के खिलाफ हाल ही में अपमानजनक और असभ्य टिप्पणी करने के लिए मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा शुरू की गई स्वप्रेरणा कार्यवाही का सामना कर रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप विपक्षी दलों ने उनकी कड़ी निंदा की।

भारत की ओर से झेलम नदी से पानी छोड़े जाने से पीओके में बाढ़ की चेतावनी

यह पानी पाकिस्तानी अधिकारियों को सूचित किये बिना अचानक छोड़ा गया

- **दुनिया न्यूज के अनुसार शनिवार को भारत की ओर से झेलम नदी से अचानक पानी छोड़े जाने से अफरातफरी मच गई और पाकिस्तानी अधिकारियों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के हट्टियन बाला जिले में जल आपातकाल की घोषणा कर दी।**
- **पाकिस्तान ने इस कदम की निंदा करते हुए इसे 'अंतरराष्ट्रीय नियमों और जल समझौतों का पूर्ण उल्लंघन' बताया और कहा कि वह भारतीय आक्रामकता के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा।**

इस्लामाबाद/नयी दिल्ली, 27 अप्रैल। भारत द्वारा झेलम नदी से पानी छोड़े जाने से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बाढ़ की चेतावनी जारी कर दी गई है, जिससे नागरिकों में भारी अफरातफरी मच गयी है। यह पानी पाकिस्तानी अधिकारियों को सूचित किये बिना अचानक छोड़ा गया।

दुनिया न्यूज के अनुसार शनिवार को भारत की ओर से झेलम नदी से अचानक पानी छोड़े जाने से अफरातफरी मच गई और पाकिस्तानी अधिकारियों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के हट्टियन बाला जिले में जल आपातकाल की घोषणा कर दी, जबकि मुजफ्फराबाद क्षेत्र में जल स्तर में तेजी से वृद्धि देखी गई।

अचानक आये पानी के कारण नदी किनारे रहने वाले निवासियों को सुरक्षित स्थानों की ओर भागने पर मजबूर कर दिया। जो कश्मीर के अनंतनाग से प्रवेश कर पीओके के चकोठी क्षेत्र से घुसा था।

पाकिस्तान ने इस कदम की निंदा करते हुए इसे 'अंतरराष्ट्रीय नियमों और जल समझौतों का पूर्ण उल्लंघन' बताया और कहा कि वह भारतीय आक्रामकता के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा।

भारत की ओर से हालांकि इस पर कोई टिप्पणी नहीं की गयी है, लेकिन इस कदम से पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

गौरतलब है कि गत 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

उल्लेखनीय है कि आतंकवादी हमले के जवाब में, भारत ने सिंधु जल संधि को तुरंत रोक लगाने की घोषणा की थी। भारत ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित अपने उच्चायोग में सभी पाकिस्तानी सैन्य सलाहकारों को अवांछित घोषित कर उन्हें निष्कासित कर दिया, इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से अपने सैन्य सलाहकारों को वापस बुला लिया, सभी पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने को कहा, तथा पाकिस्तान में अपने राजनयिक मिशन को कम कर दिया।

प.बंगाल में गोरखाओं की केन्द्र शासित प्रदेश की माँग ने जोर पकड़ा

गोरखा पार्टियों का कहना है कि 2019 से भाजपा को पूरा समर्थन दिया, पर उनकी माँगों पर गौर नहीं किया गया

- **गोरखालैंड राज्य निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष दवा पाखरीन ने कहा कि गोरखा समाज अपने अधिकारों के लिये निर्णायक आंदोलन करेगा।**

दार्जिलिंग, 27 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग और आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में गोरखाओं के बीच एक बार फिर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है और उन्होंने अब केंद्र शासित प्रदेश (यूनियन टैरिटरी/यू.टी.) के गठन की मांग पर जोर देने का फैसला किया है।

गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम), गोरखा राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा (जीएनएलएफ), गोरखालैंड राज्य निर्माण मोर्चा (जीएसएम) और क्रांतिकारी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (आरसीएमपी) जैसे दलों ने अलग राज्य और गोरखाओं के हितों के मुद्दे पर नया आंदोलन छेड़ने के संकेत दिए हैं।

इन दलों का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2009 से लेकर अब तक पहाड़ में अपना राजनीतिक प्रभाव बढ़ाया है, परंतु आज तक गोरखाओं की मूल मांगों को उचित सम्मान नहीं दिया गया। इन दलों ने आरोप लगाया कि भाजपा ने गोरखाओं को केवल राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग किया, परंतु जमीनी स्तर पर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

गोरखालैंड राज्य निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष दवा पाखरीन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब समय आ गया है कि गोरखा समाज एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए निर्णायक आंदोलन करें। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि यदि वास्तव में गोरखाओं के हितों की रक्षा करनी है, तो पहाड़ को 'केंद्र शासित प्रदेश' का दर्जा दिया जाए।

इसके साथ ही कुछ दल पहाड़ को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल करने और संविधान की छठी अनुसूची के तहत विशेष स्वायत्तता देने की भी मांग कर रहे हैं। परंतु इस पर भी व्यापक सहमति नहीं बन पाई है, और क्षेत्र में 1954 के एक्जाम एक्ट के समाप्त हो जाने के बाद कानूनी स्थिति भी बदल चुकी है।

दार्जिलिंग, कालिम्पोंग और आसपास के गोरखा बहुल इलाकों के लोगों में यह भावना बढ़ ती जा रही है कि जब तक इस क्षेत्र को विशेष संवैधानिक दर्जा या केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा नहीं दिया जाता, तब तक गोरखाओं के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक अधिकार सुरक्षित नहीं हो सकते।

राहुल गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट, नई दिल्ली, करता है। इस ट्रस्ट की अध्यक्ष सोनिया गांधी हैं, जबकि राहुल गांधी ट्रस्टी हैं। लोकसभा चुनाव के बाद राहुल पहली बार 30 अप्रैल को अमेठी आ रहे हैं। इससे पहले वे 17 मई 2024 को चुनावी जनसभा को संबोधित करने आए थे।

पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों को न्याय मिलेगा: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' की 121 वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया

- **उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले से देश का हर व्यक्ति पीड़ा और आक्रोश में है।**

नयी दिल्ली, 27 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों को न्याय मिलेगा और दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन रिपीट मन की बात की 121 वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले से देश का हर व्यक्ति पीड़ा और आक्रोश में है। उन्होंने कहा कि हमले से पीड़ित प्रत्येक परिवार के प्रति हर व्यक्ति की संवेदना है। उन्होंने कहा, मैं पीड़ित परिवारों को फिर भरोसा देता हूँ कि उन्हें न्याय मिलेगा, न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।

मोदी ने कहा कि जिन लोगों ने इस हमले में अपने परिजनों को खोया है, उनका दर्द देश का प्रतीक व्यक्ति महसूस कर रहा है। हर भारतीय का खून आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, पहलगाम में हुआ ये हमला आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता है, उनकी कायरता को दिखाता है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेजों में चहल- पहल थी, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे। देश और जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। उन्होंने, "आतंकी और आतंक के आका चाहते हैं, कश्मीर फिर से तबाह हो जाए और इसलिए इतनी बड़ी साजिश को अंजाम दिया।

मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस युद्ध में देश की एकता, 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता, हमारी सबसे बड़ी ताकत है। यही एकता, आतंकवाद के खिलाफ हमारी निर्णायक लड़ाई का आधार है। हमें देश के सामने आई इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है। हमें एक राष्ट्र के रूप में दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना है। आज दुनिया देख रही है, इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत के हम लोगों में जो आक्रोश है, वही आक्रोश पूरी दुनिया में है। इस आतंकी हमले के बाद लगातार दुनिया-भर से संवेदनाएं आ रही हैं।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908